

जर्मनी के गोठ

Website- <https://www.jantakegoth.com>

● वर्ष -01 ● अंक- 281 ● रायपुर, शनिवार 26 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787

संक्षिप्त समाचार

ऑटो में छूटा था 1
लाख का लैपटॉप और
जरूरी दस्तावेज

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर शहर से इंसानियत और ईमानदारी का एक दृढ़ धूल लेने वाली मिसाल सामने आई है। यहां एक ऑटो चालक ने अपने वाहन में छुट्टे करीब एक लाख रुपये कीमत के महंगे लैपटॉप और जूरी की दस्तावेजों से भरे बैग को अपने पास रखने के बजाय सीधे पुलिस थाने पहुंचा दिया। ऑटो चालक के इस सराहनीय और नेक कदम की हर तरफ जमकर तारीफ हो रही है, वहीं पुलिस ने भी चालक को थाने बुलाकर विशेष रूप से सम्मानित किया। जानकारी के अनुसार, तैयब चांदपाशा शेख सेमवार रात लातूर शहर में ऑटो से यात्रा कर रहे थे। गंतव्य पर पहुंचने के बाद वह जल्लुबाजी में अपना बैग ऑटो की पिछली सीट पर ही भूल गए और उठकर चले गए। उस बैग में करीब 1 लाख रुपये का ब्रॉडेड लैपटॉप, अहम पहचान पत्र और कई अन्य जरूरी आधिकारिक कागजात मौजूद थे। शेख को काफी देर बाद अहसास हुआ कि उनका कोमती बैग ऑटो में ही छूट गया है, जिससे वह बुरी तरह परेशान हो उठे।

पंजाब में ईडी की कार्रवाई पर हाईकोर्ट सख्त, निगरानी के लिए वारंट अधिकारी नियुक्त

चंडीगढ़। पंजाब में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और से से की जा रही तलाशी और जन्मी की कार्रवाई को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने देर रात विशेष सुनवाई की। जस्टिस संजय विश्वाक के अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक वरिष्ठ बैंक के वारंट अधिकारी की नियुक्ति कर ईडी को तलाशी और जन्मी की कार्रवाई की निगरानी के आदेश दिए। अदालत ने वारंट अधिकारी को कार्रवाई वाली जगह का किसी भी समय निरीक्षण करने और दोषेह 2 बजे तक स्थिति रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। मामले की सुनवाई देर रात शुरू हुई और रात 1 बजे के बाद तक जारी रही। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि पंजाब में ईडी की ओर से तलाशी और जन्मी की कार्रवाई की जा रही है। अदालत को यह भी जानकारी दी गई कि पंजाब सरकार के वरिष्ठ स्तर के कुछ अधिकारियों को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया है। सुनवाई के दौरान यह दलील भी दी गई कि संभावित अधिकारियों को कार्रवाई के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

3 साल से फरार
बर्खास्त एआईजी
राजजीत ने पटियाला
में किया सरेंडर

चंडीगढ़। पंजाब के बख्शस्त एआईजी राजजीत सिंह ने पटियाला पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। बख्शस्त एआईजी के सरेंडर करते ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वह करीब 3 साल से फरार था। राजजीत सिंह के खिलाफ वर्ष 2019 में ड्रग तस्करी, जबरन वसूली और आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मामले दर्ज किए गए थे। इसके बाद से पुलिस को उसकी तलाश थी। राजजीत सिंह को अप्रैल 2023 में सेवा से बर्खास्त किया गया था।

महानदी बौराई

72 घंटे की मूसलाधार बारिश के बीच जनजीवन अस्त-व्यस्त

■ राजिम में कुलेश्वरनाथ
महादेव मंदिर का चबूतरा डूबा
राजिम । संवाददाता

समूचे राजिम क्षेत्र में पिछले 72 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार बारिश के चलते खेत-खलिहान, निचले इलाक़े और नदी-नालों में पानी भर गया है। चारों तरफ़ पानी ही पानी नजर आ रहा है। इसी बीच जलाशयों से छोड़े जा रहे पानी ने महानदी के जलस्तर को और बढ़ा दिया है। राजिम में महानदी की धारा इस समय उफ़ती हुई दिखाई दे रही है और संगम क्षेत्र में पानी का फैलाव दूर तक नजर आ रहा है। महानदी की धार देर शाम को कुलश्रम मंदिर के चबूतरें तक चढ़ गया है। मिली जानकारी के अनुसार, गंगरेल जलाशय से लगभग 3 लाख क्यूसेक पानी महानदी में छोड़ा गया है। वहीं सिकसारा जलाशय से करीब 20 लाख क्यूसेक पानी पैरै नदी में छोड़े जा रहे हैं। सौंदूर क्षेत्र से भी 42 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने की जानकारी है। विभिन्न जलक्षोतों से निकल रहा यह पानी राजिम पहुंचकर महानदी में समाहित हो रहा है। इससे राजिम में पानी की आवक बेहद तेज बनी हुई है और नदी का प्रवाह लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। महानदी के ऊपन का सबसे स्पष्ट अंगसर त्रिवेणी संगम क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। भगवान कुलेधर गणेश महोदय मंदिर चारों तरफ से पानी से घिर गया है। मंदिर के आसपास का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो चुका है और मंदिर का आधा से अधिक हिस्सा पानी में डूबा नजर आ रहा है। सामान्य दिनों में जहां श्रद्धालुओं की आवाजाही और धार्मिक गतिविधियां दिखाई देती हैं, वहीं इस समय वहां चारों तरफ पानी की विशाल समुद्र दिखाई दे रही है। संगम क्षेत्र का नजारा सधारा की तरह दिखाई देने लगा है। लगातार बढ़ते जलस्तर के बीच महानदी की तेज धार लोगों



सिकासार जलाशय के सभी 12 गेट खोले गए

गिरियाबंद। गिरियाबंद जिले और आसपास के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के बीच प्रमुख जलाशयों में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जल संसाधन संभाग के अधीना अभियंता के मुताबिक, 25 सितंबर की स्थिति के अनुसार जिले के सिकासार जलाशय में कुल भंडारण क्षमता 198.82 मिलियन घन मीटर के मुकाबले 179.28 मिलियन घन मीटर पानी संग्रहित है। जलाशय का वर्तमान जलस्तर 1330.00 फीट दर्ज किया गया है, जो 89.32 प्रतिशत जलभराव के बराबर है। जल की बढ़ती आवक को देखते हुए सिकासार जलाशय के 12 गेट खोले गए हैं और प्रत्येक गेट 3 फीट तक खोला गया है। जलाशय से वर्तमान में लगभग 20,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जबकि जलाशय में 34,000 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज की गई है। शुक्रवार की सुबह मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के अन्य प्रमुख जलाशयों में भी जलभराव की स्थिति ऊंची बनी हुई है। गंगरेल जलाशय में जलभराव 99.01 प्रतिशत दर्ज किया गया है और वहां से 1,22,000 क्यूसेक पानी महानदी में छोड़ा जा रहा है। मुनसिबिली जलाशय में जलभराव 100 प्रतिशत है। वहां से 7,558 क्यूसेक पानी गंगरेल की ओर छोड़ा जा रहा है। दुधवा जलाशय में जलभराव 97.36 प्रतिशत दर्ज किया गया है तथा वहां से 16,762 क्यूसेक पानी गंगरेल महानदी की ओर छोड़ा जा रहा है।

को सतर्क कर रही है। प्रशासन और स्थानीय लोगों की नजर अब लगावार नदी के जलस्तर तथा जलाशयों से होने वाली पानी की आवक को बना भी हुई है। यदि जलराशि कासिमिल्ला आगे भी जारी रहा और जलाशयों से पानी छोड़ा जाता रहा तो नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका बनी हुई है। राजिम की पहला विवेणी संगम और धार्मिक नगरी के रूप में यह महानदी, पैरी और सोंदूर नदियों का संगम होता है। ऐसे में आसपास के जलाशयों और ऊपरी क्षेत्रों से आने वाला पानी राजिम में एक साथ पहुंचने से संगम

क्षेत्र में जलस्तर तेजी से प्रभावित होता है। वर्तमान स्थिति में नदी का राईर रूप साफदिखाई दे रहा है। बारिश और नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच समस्त जलजीव सवधानी यही है कि लोग नदी, घाट और जलमय क्षेत्रों के जलजीव जाने से बचें। खासकर संगम क्षेत्र में तेज बहाव को देखते हुए अनावश्यक रूप से नदी किनारे पहुँचना खतरा से खाली नहीं है। पितालदा राजिम में महानदी की उपनती धारा और पानी से घिरा कुलेखरनाथ महादेव मंदिर पूरे क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश और बढ़ते जलस्तर की गंभीर तस्वीर पेश कर रहा है।

तेज रफ्तार कार ट्रेलर
में घुसी, 4 की मौत

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर में तड़के एक भीषण आग लगे। हवाई में कार सवार कारों में लोगों की मौत हो गई। सोनारी थाना क्षेत्र के मरीन ड्राइव पर तेज गति में चल रही कार सड़क किनारे खड़े ब्राव ट्रैलर के पीछे जा चुकी थी। कार इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैलर के पिछले हिस्से में बुरी तरह फंस गई और उसके आगे खड़े उड़ गए। मृतकों में जमशेदपुर सरकार की मंत्री दीपिका मंडे सिंह की बेटी तुषा सिंह भी शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही डीएसपी सीसीआर एनोज ठाकुर, सोनारी थाना की गैर संजय सुमन प्रेम सिंहा और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए बचाव कार्य को काफी मशकत भरी पड़ी।

13 साल की उम्र में शुरू किया शूटिंग का सफर

10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में सुरुचि को गोल्ड

नई दिल्ली/ एजेंसी



जापान में चल रहे एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अपना दूसरा गोल्ड मेडल शूटिंग के जरिए हासिल किया। 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्सड टीम इवेंट में सुरुक्ष सिंह और कमनजोती जोशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 484.6 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय जोशी ने पूरे फायनल में बढ़त बनाए रखी। दक्षिण कोरिया की सुब्बो न्होंग और गाउन चू की जोड़ी 478.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद अब सैथी की नजरों भारत की युवा निशानेबाज सुरुक्ष सिंह

खेल करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुरुचि ने जूनियर स्तर पर ही अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना शुरू कर दिया था। साल 2025 में उनके करियर के लिए बेहद खास साल रहा। उन्होंने ब्यूस आयर्स, लीमा और म्युनिख में लगातार तीन ट्विस्टर्ड वर्ल्ड कप में व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीते। लीमा वर्ल्ड कप में उन्होंने मिक्सड टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके बाद दोहा में ट्विस्टर्ड वर्ल्ड कप फइनल में सुरुचि ने 10 मीटर एयर पिस्टल फइनल में 245.1 अंक हासिल कर जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड जीता। साल 2026 में भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी रहा।

महिला पहलवान पहंचीं दिल्ली कोर्ट!

बृजभूषण शरण की फिर बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश के केसरगंज से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को मुश्किलें एक बार फिर बढ़ सकती हैं। दरअसल 4 महीला पहलवाओं ने राज्ज वेव्यू-कॉर्ट में यौन उत्पीड़न के मामले में बृजभूषण शरण सिंह को बरी कर दिए जाने के फैसले को चुनौती दी है। इसके लिए महिलाओं ने कोर्ट में अपील दायर की है। ऐसा कहा जा रहा है कि कल यानी 26 सितंबर शनिवार को महिला पहलवाओं की अपील पर सुनवाई हो सकती है। जानकारी के



कि ज्ञान के फैसले को चुनौती दी है। इसके लिए महिलाओं ने कोर्ट में अपील दायर की है। ऐसा कहा जा रहा है कि कल यानी 26 सितंबर शनिवार को महिला पहेलवानों की अपील पर सुनवाई हो सकती है। जानकारों के मुताबिक, महिला पहेलवानों ने अपनी याचिका में पूर्व **हुस्नदु** अथर्व बूज-पूषण शरण सिंह की बरी होने को चुनौती दी है। इसके अलावा मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर की बरी होने के आदेश को भी चुनौती दी गई है।

एसआईआर के फैसलों को गैरकानूनी घोषित करने की मांग

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायार...

नई दिल्ली/ एजेंसी



बोटर लिस्ट के स्पेशल इंट्रिंजिग रिजिजन यासी एसाइंड और को लेकर चुनाव आयोग में मतभेद पर 'इंडियन एक्सप्रेस' के खुलासे के बाद से देश में कोहमा मचा हुआ है। विपक्ष इसे लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त जोशी कुमार पर हमलावर है। विपक्ष जोशी कुमार को हटाने और गिरफ्तार करने की मांग कर रहा है। इस बीच मुख्य चुनाव आयुक्त जोशी कुमार के कथित एकतरफा फैसलों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायित्व की हुई है। इसमें याचिकाद्वारा सभी फैसलों को निरस्त करने की

का जानबूझकर उल्लंघन करने के दोषी पाए गए सभी अधिकारियों के खिलाफ जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 का धारा 32 के तहत शिकायतें दर्ज करें और मुकदमा शुरू करें. याचिका में कहा गया है कि ज्ञानेश कुमार पर जो आरोप हैं उसमें उल्लंघन भारत निर्वाचन आयोग में एक्टरफ फैसले लिए. इनमें 'पॉम 6' में गैर-कानूनी बदलाव, वोट लिस्ट के डेटा का केंद्रीकरण और अन्य दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों के बावजूद लिए गए फैसले शामिल हैं. याचिका में आरोप लगाया गया है कि इन फैसलों की वजह से योग्य मतदाता सूची से बाहर हो गए.

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल

दिल्ली से लेकर छत्तीसगढ़ तक कांग्रेस का सड़क संग्राम

नई दिल्ली/ एजेंसी

बोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिजिजन यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग में मतभेद पर 'इंडियन एक्सप्रेस' के खुलासे के बाद से देश की राजनीति में कोहराम मचा हुआ है। पूरा विपक्ष इसे लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमारऔर मोदी सरकार पर हमलावर है। विपक्ष ज्ञानेश कुमार को हटाने और गिरफ्तार करने की मांग कर रहा है। शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने पूरे देश में प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता दि: दिल्ली से लेकर छत्तीसगढ़ , कोलकाता, हैदराबाद से लेकर गुवाहाटी और लखनऊ से लेकर पटना तक सड़क पर निकाल कर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।



देशभर में प्रदर्शन किया। राजधानी रायपुर में शुरुवार को बसते पानी में कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन कार्यालय का घेराव करने के साथ ही पुतला दहन भी किया। प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस ने निर्वाचन कार्यालय के आसपास कई लेयर में बैरिकेडिंग की थी, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता तीन बैरिकेड तोड़कर कार्यालय के करीब पहुंच गए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और झुमाझटकी भी हुई। वोट चोर, गद्दी छोड़ नारे के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। गुवाहाटी, लखनऊ, देहरादून, चंडीगढ़, कोलकाता और मणिपुर में एक साथ विरोध हुआ। गुवाहाटी में गौतम गोगोई ने प्रदर्शन को अगुवाई की।

किया। बड़ी संख्या में पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस पूरे प्रदर्शन की अगुवाई जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रभारी नासिर हुसैन ने की। ण्णिपुर के इंपल में स्थिति सबसे ज्यादा तनावपूर्ण रही। यहां

चुनाव आयोग के मुख्य कार्यालय के सामने प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने दमर के अंदर चुपने की कोशिश की। इसे रोकेन के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। वहीं दिल्ली में यूपी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन यूपी कांग्रेस के हेड क्वार्टर से शुरू हुआ और धीरे धीरे आगे बढ़ता गया। कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए और हाथों में झंडे और पोस्टर लेकर नारेबाजी करते नजर आए। लखनऊ से तेज बारिश के बावजूद कांग्रेस पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उत्तरक जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी दमर के बाहर सुबह से जमा हुए कार्यकर्ता अब बाहर निकलकर विधानसभा और राज्य चुनाव आयोग के दमर की तरफ बढ़ने की कोशिश की।

पटना में कांग्रेस का हल्लाबोल,
पुलिस को करना पड़ा वाटर
कैनन का इस्तेमाल

ज्ञानेश कुमार ने इस्तेफा की मांग की मांग को लेकर कांग्रेस ने बिहार की राजधानी पटना में बड़ा आंदोलन किया। पटना मौलानाबाद के बाहर तानपुर परा महील देखने को मिला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा की मांग को लेकर एक बड़ा प्रदर्शन किया। विधानसभा गेट के बाहर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। पुलिस ने भी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया। मोदी पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। कुछ प्रदर्शनकारियों जमीन पर बैठकर धरना देने लगे और वहां से हटने को तैयार नहीं हुए।

3 मवेशियों को वररुतापूर्वक टाटा सूमो में लादकर झारखंड ले जाने का मामला, तस्करी में इस्तेमाल वाहन पहले ही हो चुका था जब्त

अवैध पशु तस्करी के मामले में फ़ार वाहन मालिक गिरफ्तार, कुसमी पुलिस ने भेजा जेल

बलरामपुर (जनता के गोठ) : अवैध पशु तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुसमी पुलिस ने फ़ार चल रहे मुख्य आरोपी और वाहन स्वामी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर तीन मवेशियों को कथित रूप से वररुतापूर्वक वाहन में लादकर झारखंड की ओर तस्करी किए जाने के मामले में कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार मामला 16 जून 2026 की रात करीब 2:30 बजे का है। कुसमी के भेड़ी टोंगरी के पास तीन मवेशियों को टाटा सूमो वाहन क्रमांक छ्वा 03 छ् 1297 में कथित रूप से



वररुतापूर्वक लादकर झारखंड की ओर ले जाया जा रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामले में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की।

3 मवेशी बरामद, तस्करी का वाहन जब्त

पुलिस ने जांच के दौरान मौके से तीन मवेशियों को सुरक्षित बरामद किया। साथ ही पशु तस्करी में प्रयुक्त टाटा सूमो वाहन को भी

जब्त किया गया। वाहन के स्वामित्व और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच के दौरान पुलिस की नजर वाहन मालिक तक पहुंची। पांच धाराओं में दर्ज है मामला विवेचना के दौरान वाहन स्वामी दिनेश प्रसाद पिता अंतु साव, उम्र 54 वर्ष, निवासी महुआडाड़, जिला लातेहार, झारखंड की सलमतता सामने आने पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पृछताछ की। पुलिस के अनुसार पृछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

मामले में थाना कुसमी में अपराध क्रमांक 57/2026 दर्ज

है। आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषि पशु परीक्षण संशोधन अधिनियम की धारा 4, 6, 10 तथा पशु वररुता निवारण अधिनियम की धारा 11(घ) के तहत कार्रवाई की गई है।

तस्करी के नेटवर्क तक पहुंचना अब पुलिस के सामने चुनौती

इस कार्रवाई के बाद अब यह सवाल भी अहम है कि बरामद तीन मवेशियों को झारखंड ले जाने के पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे और तस्करी के लिए वाहन की व्यवस्था किस स्तर पर की गई थी। पुलिस मामले की विवेचना के दौरान इससे जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

बस्तर में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत ‘आंगन मिलन सेवा’ आयोजित

भारी बारिश के बीच 19 माताओं को मिला पोषण शक्ति सम्मान



भुजबल बघेल बकावंड जनता के गोठ। 25 सितम्बर 2026/ बस्तर जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किए जा रहे ‘सेवा संकल्प अभियान+’ के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ‘आंगन मिलन सेवा+’ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार 25 सितंबर को जिले की सभी 9 बाल विकास परियोजनाओं के तहत आने वाले 305 आंगनबाड़ी केंद्रों में इस वृहद कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित था, किंतु क्षेत्र में हुई अत्यधिक वर्षा के चलते यह केवल 07 आंगनबाड़ी केंद्रों में ही आयोजित किया जा सका। प्रतिकूल मौसम के बावजूद इन 7 केंद्रों में

कुल 217 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की, जिनमें 116 महिलाएं, 51 पुरुष और 127 बच्चे शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान उन जागरूक माताओं की विशेष सराहना की गई जिन्होंने ‘महतारी वंदन योजना’ से प्राप्त आर्थिक सहायता का उपयोग अपने और अपने बच्चों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने के लिए किया।

जिले भर में ऐसी 19 जागरूक माताओं को विभाग द्वारा ‘पोषण शक्ति सम्मान+’ से नवाजा गया। इसके साथ ही केंद्रों में गर्भवती महिलाओं, माताओं एवं बच्चों के

स्वास्थ्य की गहन जांच कर उन्हें आवश्यक टीके लगाए गए। समुदाय में पोषण के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से पौष्टिक थाली और स्थानीय पौष्टिक व्यंजनों को तैयार करने की विधियों का जीवंत प्रदर्शन भी किया गया। इसके अलावा उपस्थित जनसमूह के लिए सामुदायिक न्योता भोजन का आयोजन किया गया, जबकि महिलाओं के लिए मेहंदी व रंगोली प्रतियोगिताएं और बच्चों के लिए ‘स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता+’ जैसी गतिविधियां आयोजित कर कार्यक्रम को प्रेरक और सुरुचिपूर्ण बनाया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य सेवा संकल्प का आयोजन

जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि देवपाल सिंह पैकरा ने ग्रामीणों से की भेंट- मुलाकात, आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण पर किया संवाद

जाहद अंसारी प्रतापपुर। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत केवरा, दवनकरा एवं सत्तीपारा में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत केवरा में आयोजित सेवा संकल्प कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि देवपाल सिंह पैकरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से भेंट-मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा शासन द्वारा संचालित



विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लेते हुए पात्र हितग्राहियों से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और संबंधित विषयों पर चर्चा की।

इसके बाद जिला पंचायत अध्यक्ष क्षेत्र के दवनकरा, एवं सत्तीपारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों में

राशनकार्ड की हर समस्या का समाधान एक जगह: खाद्य विभाग 28 से 30 सितंबर तक लगाएगा सेवा सेतु कैंप

बलरामपुर (जनता के गोठ) : सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत खाद्य विभाग द्वारा 28 से 30 सितंबर तक जिला मुख्यालय एवं सभी जनपद पंचायतों में सेवा सेतु कैंप लगाए जाएंगे। अभियान अवधि में आयोजित अन्य शिविरों में भी ये सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

कैंप में राशनकार्ड सदस्यों की ई-केवाईसी, आधार व मोबाइल नंबर सीडिंग तथा राशनकार्ड संशोधन के कार्य किए जाएंगे। नए राशनकार्ड की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया व आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देकर आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जाएगा। साथ ही पीडीएस में वितरित चावल, चना, नमक, शक्कर व गुड़ के नमूने प्रदर्शित होंगे तथा शिकायतों के लिए ‘अन्न सहायता’ पोर्टल, कॉल सेंटर नंबर 1800-233-3663 और सीएम हेल्पलाइन की जानकारी दी जाएगी। खाद्य विभाग ने नागरिकों से कैंप का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की है।

चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ से बस्तर में मूसलाधार बारिश, उफान पर नदियां

कलेक्टर श्री आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा ने मौके पर जाकर लिया बाढ़ का जायजा



बकावंड जनता के गोठ। 25 सितम्बर 2026/ ?बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुए चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के असर से समूचे बस्तर संभाग में मौसम पूरी तरह बदल गया है। जिले में बुधवार से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। नदी-नाले उफ़ान पर आने से जिले के प्रमुख संपर्क मार्गों पर आवागमन उप हो गया है, वहीं इंद्रावती नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान के करीब पहुंच रहा है। स्थिति को नियंत्रित करने और सुरक्षा मानकों के तहत ओडीसा में इंद्रावती नदी पर बने खातीगुड़ा बांध के तीन तथा मुरान बांध के दो गेट खोलकर भारी मात्रा में अतिरिक्त पानी छोड़ा जा रहा है, जिससे निचले और तटीय इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है। इस हालात को मद्देनजर रखते

हुए कलेक्टर श्री आकाश छिकारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा ने स्वयं बाढ़ प्रभावित और संवेदनशील इलाकों का स्थान भ्रमण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने अपने भ्रमण के दौरान जगदलपुर शहर के गंगामुख पारा, महादेव घाट, खडकघाट, मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल डिमरापाल के नजदीकी क्षेत्र तथा नगरनार-भेजापदर मार्ग पर नदी बौड़ना सहित कई जलभराव वाले स्थलों का स्थलीय मुआयना किया। इस दौरान अधिकारियों ने संभावित आपदा से निपटने

के लिए तैयार किए गए राहत शिविरों का जायजा लेकर वहां प्रभावित परिवारों के उठरने की व्यवस्था सहित भोजन, पेयजल और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की समीक्षा भी की। इस दौरान कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने आम जनता से बेहद सतर्क रहने, अपघ्राहों पर ध्यान न देने तथा उफ़ाने नदी-नालों और जलमग्न पुल-पुलियों को पार नहीं करने की अपील करते हुए आपात स्थिति में बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष अथवा संबंधित क्षेत्र के राजस्व अधिकारियों से संपर्क कर सूचना देने का आग्रह किया है।

भारी बारिश से जलमग्न हुआ शहर, कांग्रेस ने बढ़ाया मदद का हाथ

शहर के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री का किया वितरण

बकावंड जनता के गोठ। लगातार हो रही भारी बारिश के चलते शहर के विभिन्न इलाकों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। कई क्षेत्रों में लोगों के घरों एवं आसपास पानी भर जाने से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। ऐसी विषम परिस्थितियों में प्रभावित लोगों की मदद के लिए कांग्रेस पार्टी ने संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य शुरू किया।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली



तथा जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री एवं आवश्यक राहत सामग्री का वितरण किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस दौरान लोगों को भरोसा दिलाया कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में कांग्रेस परिवार उनके साथ

खड़ा है। जिन क्षेत्रों में जलभराव के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वहां पहुंचकर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि

गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचें और उनकी आवश्यकताओं के अनुसार हरसंभव सहयोग करें।

उन्होंने कहा कि बारिश के कारण जिन परिवारों के सामने भोजन एवं दैनिक जरूरतों को लेकर परेशानी उत्पन्न हुई है, उन्हें तत्काल राहत पहुंचाना प्राथमिकता है। कांग्रेस का प्रयास है कि कोई भी जरूरतमंद परिवार इस कठिन परिस्थिति में खुद को अकेला महसूस न करे।

इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जलभराव प्रभावित इलाकों की स्थिति का जायजा लेते हुए स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन तक उनकी समस्याएं पहुंचाने तथा राहत कार्यों में सहयोग करने की बात कही। इस दौरान अल्पसंख्यक अध्यक्ष राजेश्वरी दास, गौरी, जुबुदा बेगम,खीरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

कृषि महाविद्यालय जगदलपुर में धूमधाम से मना राष्ट्रीय सेवा योजना का 57 वाँ स्थापना दिवस

स्वच्छता, सेवा और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा परिसर



बकावंड जनता के गोठ। 25 सितम्बर 2026/ कुम्हारवंड स्थित शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 57 वाँ स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ आरएस नेताम के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सेवा भावना, रचनात्मकता और ऊर्जा का अनूठा प्रदर्शन किया। स्थापना दिवस की शुरुआत महाविद्यालय परिसर में आयोजित स्वच्छता अभियान से हुई। झामझम बारिश के बावजूद स्वयंसेवकों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई और उन्होंने पूरे परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया। इसके

उपरांत विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगोली सजाकर समारोह का औपचारिक शुभारंभ किया। मंच प्रकाश डालते हुए ‘स्वयं से पहले आप’ की भावना को रेखांकित किया। इस दौरान साहसिक शिविर से लौटी तृतीय वर्ष की छात्रा हेमलता टंडन ने महाविद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों का ब्योरा प्रस्तुत किया। वहीं प्रथम वर्ष के छात्र अरिफ़रि ने ओजस्वी कविता पाठ किया, पायल एवं समूह ने प्रेरक लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया तथा निकिता एवं समूह ने मनमोहक नृत्य के माध्यम से ‘अनेकता में एकता’ का जीवंत संदेश दिया। कार्यक्रम के

मुख्य अतिथि डॉ एंके ठाकुर ने 1969 में प्रारंभ हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए ‘स्वयं से पहले आप’ की भावना को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में ही सुदृढ़ व्यक्तित्व की नींव पड़ती है और एक सजग नागरिक ही विकसित राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सकता है। ?सबोधन की कड़ी में डॉ जेएल सलाम ने विद्यार्थियों को सह-शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़कर व्यक्तित्व निखारने तथा जाति-धर्म से ऊपर उठकर मानवता के धर्म को अपनाने का आह्वान किया।

कवर्धा के धुमाल पार्टी वाहन को बालोद में ट्रक ने मारी टक्कर, 6 की मौत, 7 घायल



कवर्धा। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पुरुर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-30 स्थित मरकाटोला घाट में धुमाल पार्टी के वाहन को गेहूं से भरे 16 पहिया ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 लोग घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायलों को रायपुर रेफर किया गया है, वहीं अन्य घायलों का उपचार धमतरी जिला अस्पताल में जारी है।

जानकारी के मुताबिक, कबीरधाम जिले के ग्राम पोड़ी से कृष्णा बंड पार्टी के 13 युवक स्वर्णज माजदा वाहन क्रमांक छ्ख 10 क् 7174 में सवार होकर गणेश

विसर्जन कार्यक्रम में धुमाल बजाने जगदलपुर जा रहे थे। इसी दौरान मरकाटोला घाट के पास उनके वाहन में खराबी आ गई। वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर युवक उसे ठीक करने का प्रयास कर रहे थे।

इसी दौरान जगदलपुर की ओर जा रहे गेहूं से भरे 16 पहिया ट्रक क्रमांक छ्ख 04 क्छ् 5947 ने धुमाल पार्टी के वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक भी अनियंत्रित होकर फलट गया। हादसे में कई युवक ट्रक के नीचे दब गए। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार घायलों ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते



ही पुरुर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों में कोमल साहू (20), अनीश पात्रे (22), दीपक कुमहार (17), राजा सावरा (27), कृष्णा चौहान (18) और सुंदर लाल साहू (29) शामिल हैं। घायलों में

स्मार्ट मीटर की परेशानी और बढ़हाल सड़क पर कांग्रेस का प्रहार

भैयाथान में कांग्रेस ने उठाई जनसमस्याओं की आवाज, एसडीएम को सौंपा मांग पत्र



जाहद अंसारी सूरजपुर/भैयाथान। स्मार्ट मीटरों को लेकर सामने आ रही उपभोक्ताओं की शिकायतों और भैयाथान-सूरजपुर मुख्य मार्ग की बढ़हाल स्थिति को लेकर कांग्रेस ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भैयाथान के अध्यक्ष विशाख सिंह देव के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। इसमें क्षेत्र से जुड़े दोनों प्रमुख मुद्दों पर चर्चा कर प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने अनुविभागीय दंडाधिकारी को मांग पत्र सौंपा।

अनियमितताओं के कारण उपभोक्ताओं में असंतोष की स्थिति है। कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की कि उपभोक्ताओं की शिकायतों की गंभीरता से जांच कराई जाए तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्याओं का निराकरण किया जाए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बिजली जैसी आवश्यक सेवा से जुड़ी किसी भी समस्या का सीधा असर आम परिवारों पर पड़ता है। ऐसे में उपभोक्ताओं की शिकायतों को केवल औपचारिकता के रूप में नहीं लेते हुए उनकी वास्तविक स्थिति की जांच की जानी चाहिए।

गड्डों में तटवील-जुखी मार्ग को लेकर नाराजगी- भैयाथान-सूरजपुर मुख्य मार्ग की जर्जर

स्थिति भी बैठक में प्रमुख मुद्दा रही। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मार्ग के कई हिस्सों में जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भरने से सड़क की स्थिति और खराब हो जाती है। इससे वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी होती है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

कांग्रेस ने प्रशासन से सड़क का आवश्यक तकनीकी निरीक्षण करवाकर क्षतिग्रस्त हिस्सों में तत्काल मरम्मत कराने तथा जरूरत के अनुसार स्थायी सुधार कार्य कराने की मांग की। नेताओं ने कहा कि मुख्य मार्ग होने के कारण इस सड़क पर बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है, इसलिए इसकी स्थिति में जल्द सुधार जरूरी है।

मांग पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग

बैठक के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने अनुविभागीय दंडाधिकारी को मांग पत्र सौंपा। इसमें स्मार्ट मीटरों से जुड़ी उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण कराने तथा भैयाथान-सूरजपुर मुख्य मार्ग की मरम्मत कराने की मांग रखी गई। कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन से दोनों मामलों में शीघ्र पहल करने की अपेक्षा जताई।

निराकरण नहीं हुआ तो आंदोलन

कांग्रेस ब्लॉक कमेटी ने कहा कि ये दोनों मुद्दे सीधे आम जनता से जुड़े हुए हैं। यदि शिकायतों का समय पर निराकरण नहीं किया गया और सड़क की स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो कांग्रेस लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करेगी। पार्टी ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा।

ये रहे मौजूद

बैठक एवं मांग पत्र सौंपने के दौरान पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े स्थिति अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विचार-पक्ष

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती (अंत्योदय दिवस), 25 सितंबर 2026 पर विशेष

संपादकीय

‘सेवा’ की अवधारणा

भारतीय चिन्तन की एक विशिष्ट अवधारणा है। यह केवल किसी की सहायता करने या परोपकार करने का भाव नहीं है, बल्कि स्वयं से ऊपरकरना उठकर समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को स्वीकार करने की जीवन-दृष्टि है। जून 2026 में 'सेवा' शब्द का आक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में शामिल होना इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारतीय सभ्यता और चिन्तन में सदियों से रचे-बसे इस शब्द को अब वैश्विक शब्दकोश में भी स्थान मिला है। भारतीय संदर्भ में सेवा का अर्थ है- निःस्वार्थ भाव से कार्य करना, दूसरों के प्रति जिम्मेदारी निभाना, विनम्रता रखना और करुणा के साथ समाज के लिए योगदान देना। भारतीय 'सेवा' की अवधारणा को केवल पश्चिमी अर्थों में प्रमुख 'परोपकार' के समान नहीं समझा जा सकता। परोपकार में जहाँ किसी दूसरे के लिए कुछ करने का भाव प्रमुख हो सकता है, वहीं भारतीय परंपरा में सेवा व्यक्ति के आत्म-परिवर्तन का भी माध्यम है। व्यक्ति सेवा इसलिये करता है, क्योंकि वह इसे अपना कर्तव्य और जिम्मेदारी मानता है। सत्त आन्दृवर, 2001 को नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। सत्त आन्दृवर 2026 को उनके सार्वजनिक जीवन का यह 25 वर्ष का पड़ाव पूरा होगा। यह केवल एक राजनैतिक यात्रा की अवधि नहीं है, बल्कि शासन और सार्वजनिक जीवन को 'सेवा' के विचार से जोड़कर देने का अवसर भी है। नरेन्द्र मोदी ने स्वयं अपनी सार्वजनिक यात्रा को राष्ट्रसेवा के दायित्व, कुतज्ञता और उद्देश्य से जोड़कर व्यक्त किया है। भारतीय जनता पार्टी ने भी उनके इस महत्वपूर्ण पड़ाव को 'सेवा' के विचार के माध्यम से रेखांकित किया है। 17 सितंबर 2026 को उनके जन्मदिन के अवसर पर भाजपा ने देशव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत की, जो 17 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान का मूल संदेश है- जन सेवा से देश बचता है। यह संदेश केवल एक अभियान का नारा नहीं है। इसके पीछे यह विचार है कि सार्वजनिक जीवन की सार्थकता तभी है जब शासन और राजनीति समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का माध्यम बनें। इस संदर्भ में पीडित दिमाग उपाध्याय की 'अंत्योदय' की अवधारणा विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाती है।



आज का राशिफल

मेघ राशि: आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा।

वृष राशि: विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में अभी और मेहनत करने की जरूरत है।

मिथुन राशि: आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जाएगा।

कर्क राशि: आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आपकी सुझबुझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही में सफलता मिलेगी।

तुला राशि: दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

वृश्चिक राशि: आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे। आज कारोबार में आपको फायदा होगा।

धनु राशि: आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है।

मकर राशि: आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और काम के प्रति एकाग्र चित होना आपको सफलता देगा।

कुंभ राशि: आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारीयां सीखने को मिलेगी।

मीन राशि: आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह-मशवरा होगा।

अंग की धरती पर मुक्ति का संदेश भगवान वासुपूज्य का मोक्ष कल्याणक

(कुमार कृष्णन)

[illegible]

- ललित गर्ग

[illegible]

से वर्णित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के आभाव में पड़े न छूटे और विकास की प्रक्रिया को लाभ समझ के अंतर्गत छोटे तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के ‘एकात्म मानववाद’ में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केन्द्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस महाराई से और किस अंतिम विस्तृत तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। भारत 2047 तक विकासित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकासित भारत का अर्थ विकासित गांव,

सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुँच, उद्यमिता और अवसरों को समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीतिनिर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अत्योद्यम की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास को दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतनी ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े कार्डेज श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह संश्लेषण किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा का पहुँच सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इस दृष्टि से अत्योद्यम का नया अर्थ 'समयानुसार संश्लेषणकरण' होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कोशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और

निष्पत्ति-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कोशल, डिजिटल सुविधा और उच्चता का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना में ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कोशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कोशल विकास और आजीविका के अक्सरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है-अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कोशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा। भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन यह आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने की भी उसकी परीक्षा होगी।

बदनाम केचुआ और नामदार सरकार

- राकेश अचल

आजाद, आत्मनिर्भर और संप्रभु भारत के पिछले 25 मुख्य चुनाव आयुक्तों में से एक भी इतना बदमाश, विवादास्पद नहीं हुआ जितने कि देश के 26 वें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार हुए हैं। ज्ञानेश कुमार क कामकाज में केंचुआ की प्रतिष्ठा मिट्टी में मिला दी है। एक अंग्रेजी अखबार में केंचुआ को लेकर छपी खबर के बाद पूरे देश में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की थू-थू हो रही है, लेकिन वे मानने को राजी ही नहीं कि केंचुआ में कहीं -कुछ गबबड या गैर कानूनी हो रहा है,वैसे केंचुआ की सफाई से पहले केंचुआ की संरक्षक भाजपा की ओर से सफाई आई तो साफ हो गया कि दोनों एक ही हैं.

मैंने देश के 26 में से 23 को देखा है और 21 को काम करते हुए देखा है. अनेक से साक्षात्कार भी किए हैं. लेकिन ज्ञानेश कुमार जैसा निर्लज्ज केंचुआ कभी नहीं देखा. केंचुआ ज्ञानेश कुमार ने केंचुआ द्वारा 75 साल में अर्जित प्रतिष्ठा की मिट्टी पलीत कर दी वो भी 581 दिन में.

किसी सरकार को चुनाव जिताने के लिए केंद्रों का भारत में पहली बार हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। केंद्रों का दारू-जोषित बन गया है। मुस्कराते हुए सत्ता के इशारे पर नाच रहा है। आपने बॉन के आगे संपन्न नाचते-झूमते देखे होंगे किंतु केंद्रों के नहीं। भारतीयों को केंद्रों की प्रष्टिष्ठा कोई एक-दो दिन में नहीं बनी। एक-दो केंद्रों का इसके पीछे नहीं है। आपताकाल के बाद केंद्रों का बने ऐसे एक शकभर ने भी केंद्रों को शक के घेरे में नहीं आने दिया। टीएन शेषन ने तो केंद्रों को 'भूमिनाय' का मान दिलाया। दुनिया को बता दिया कि भारत के केंद्रों के पास इतनी विधिक शक्तियां हैं कि वो किसी भी मठाधीश को दिन में तारे दिखा सकता है। मौजूदा केंद्रों की जी जोश कुमार ने केंद्रों का संस्था और प्रती की प्रष्टिष्ठा को इतने निम्न स्तर पर ला पटका है कि जिसकी

कोई कल्पना नहीं कर सकता. जो केंचुआ एक-एक मटदाता के माताधिकार का संरक्षक रहना करता था, वो ही केंचुआ लाखों हठुओं मटदाताओं का माताधिकार छीन रहा है. एस आई आर के नाम पर. अंग्रेजी में केंचुआ को 'अर्थवर्म' कहा जाता है. यानि धरती का वो कीड़ा जो धरती को उर्वर बनाता है, बंजर नहीं केंचुआ की इसी प्रतिभा की वजह से गोखामां तुलसीदास ने सम्मान देते हुए 'भूमिप्राण' तक कह दिया. लेकिन ज्ञानेश कुमार ने भारत में चुनाव करवाने वाले केंचुआ को लिले सम्मान को अपने जूतों से कुचल दिया. केंचुआ ज्ञानेश कुमार की सत्तानिष्ठता के एक नही अनेक प्रमाण हैं लेकिन सबके सब बड़ी से बड़ी अल दालत में टिक नहीं रहे, क्योंकि अदालत को भी कानून के चरम से सरकार के चरणों में लोटोपट करता केंचुआ नजर नहीं आ रहा. केंचुआ चुचाप लोकतंत्र को डस रहा है, लेकिन किसी को कोई फर्क नहीं पड रहा.

केंचुआ के स्वास्थ भी छुद्र स्वास्थ हैं।
 केंचुआ की अपनी कलेजरी बेटी को बचाना
 है। उसकी कोशिश जारी है। केंचुआ की बेटी
 भी केंचुआ की तरह है। उसके कामकाज जिन
 नाखुर हाईकोर्ट ने 5 लाख रुपये का अर्थद
 लगाया तो केंद्र सरकार के महाशिवकता के
 बडी अदालत में खडे हो गए, उसके पक्ष में
 न्यायाधीश आरशा ले गए, अन स्थिति ये है कि
 पुरा देश केंचुआ ज्ञानेश के विरोध में खडा
 है। किंतु सरकार केंचुआ के साथ है। क्योंकि
 केंचुआ सरकार के इशारे पर नर्तन करता है।
 अब विश्व भले केंचुआ को बखाना नहीं
 चाहता लेकिन उसके पास कुछ नहीं है। वोत
 भी तो केंचुआ ने छुडा लिया है। दरअसल
 केंचुआ की नियुक्ति का तरीका ही
 असंवैधानिक है। जब तक ये नहीं बदला
 जाएगा कुछ हो नहीं सकता और नियम तब
 तक नहीं बदला जा सकता जब तक कि सत्ता
 न बचले। और सत्ता 2047 तक आज के
 भाग्यविधाता छोड़ना नहीं चाहते। आज
 केंचुआ राष्ट्रीय संरक्ष है। ऐसा संकट जो
 लोकतंत्र का बम घोट रहा है।

घटता जा रहा है अमेरिका का कद

से जुड़े सवालों के

मामले में भी ट्रंप का रवैया उदासीन रहा और अपने व्यक्तित्व के उलट उन्होंने खामोशी को ही तरजीह दी। उलटे उन्होंने इसमें चीन की किसी भी संदिग्ध भूमिका को खारिज ही किया।

देखा जाए तो अमेरिका के साथ रिश्ते में चिन्चिफिंग का पलड़ा इसलिए भी भारी है, क्योंकि दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियंत्रण से जुड़े प्रविधानों की ही हैं। ऐसे में अगर ट्रंप न पाती, तो बीजिंग इसका आँकड़ा और कर सकता है। आज कारों से लेकर त्वरणीय होती जा रही है। ट्रंप के दौर में अमेरिकी कई कारण रहे हैं। जैसे चीन के साथ जिसमें चीन ने दुर्लभ खनिजों को लाना लिया और अमेरिकी खानों पड़ी वहीं, ईरान, यथार्थ के जखीरे को इस तरह इवान की रक्षा करने या

प्रशांत क्षेत्र अथवा पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य ताकत का लोहा मनवाने की अमेरिकी क्षमता ही कुंद पड़ गई। इस दौरान सहयोगियों को नाराज एवं अलग-थलग तक किया गया। इन सबने मिलकर वैश्विक पटल पर अमेरिकी साख़ पर बढ़ा लगाया है और दुनिया भर में उसके प्रभाव एवं साफ़्ट पावर को गहरा आघात पहुंचाया।

वैश्विक पटल पर ट्रंप की छवि मुख्य रूप से एक लापरवाह और अचर्याशित नेता की बन चुकी है। इसके विपरीत चिनिफिंग ने स्वयं को एक परिपक्व नेता के रूप में स्थापित करने के प्रयास किए हैं। उन्होंने वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बहाल करने के जतन किए, जो ईरान के विरुद्ध ट्रंप के सैन्य अभियान से अस्थिर हो गया था। राक फेलरल ग्राउंडेशन के एक ताजा जन्मत सर्वेक्षण के निष्कर्ष रेखांकित करते हैं कि कनाडाई, इंडोनेशियाई, ब्राजीलियाई, तुर्क और मैक्सिकन नागरिक अब रुस अथवा चीन की अपेक्षा अमेरिका को अपने लिए अधिक 'गंभीर खतरे' के रूप में देखते हैं। अमेरिकी इतिहासकार फिलिस ओ'ब्रायन ने इसी माह लिखा, 'अमेरिका गैरनीतिक रूप से पिछड़ रहा है। वह संवेदनशील एवं सामरिक महत्व के अपने सैन्य ठिकानों को ध्वस्त होते देख रहा है और उनको रक्षा में लाचार दिखाता है। वह उन सहयोगी राष्ट्रों को भी उनके हाल पर छोड़ रहा है, जो अब तक उसकी प्राथमिकताओं में शीर्ष पर थे। यह रजान दर्शाता है कि वैश्विक पटल पर बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी वह अपने सामरिक हितों की रक्षा में पूरी तरह असमर्थ दिख रहा है।' ओ'ब्रायन ने यह भी जोड़ा कि 'यदि संसदेर अमेरिकी युग का अनयास है, लेकिन मैं इसे लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हूँ।'

आंदोलनकारियों में से एक 29 वर्षीय जोशुआ वोंग भी आजीवन कारावास की आशंका का सामना कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया पर लगे प्रतिबंधों की भी चीन
सरेआम भण्डिया उड़ाता दिख रहा है। वह थडूले से
ईरानी तेक खूद रहा है। ईरान को सामरिक मदद
पहुँचाकर युद्ध में उसकी मदद करने की भी खबरें हैं।
दुर्लभ खनिजों पर कड़े नियंत्रणों को औपचारिक रूप
से स्थापित करने के बावजूद चीन उन पर ऐसी पकड़
बनाए हुए है, जिससे पश्चिमी कंपनियों के सामने
लगातार मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। जुलाई में ईरानी हमले
में तीन अमेरिकी सैनिकों की हत्या में चीनी खुफिया
जानकारों से मिली मदद की बात सामने आने के मुद्दे

मियाद नवंबर में खत्म हो रही है। ऐसे में अगर ट्रंप के साथ कोई सहमति नहीं बन पाती, तो बीजिंग इन्टरनेशनल खनिजों पर अपना शिकंजा और कस सकता है, जिनकी आवश्यकता आज कारों से लेकर पनडुब्बियों के निर्माण में महत्वपूर्ण होती जा रही है। चीन की बड़ी ताकत के उलट ट्रंप के दौर में अमेरिकी ताकत घटी है, जिसके पीछे कई कारण रहे हैं।

एक बड़ी वजह तो पिछले साल चीन के साथ छेड़ा गया व्यापार युद्ध था, जिसमें चीन ने दुर्लभ खनिजों को एक हथियार बना लिया और अमेरिकी को व्यावहारिक रूप से मात खानी पड़ी। वहीं, ईरान के साथ युद्ध ने अमेरिकी हथियारों के जखीरे को इस्साल कर दिया कि ताइवान की रक्षा करने या कदर खाली कर दिया कि ताइवान की रक्षा करने या

निकोलस क्रिस्टोफ

चीनी राष्ट्रपति अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के साथ शिखर के लिए अमेरिका पहुंच चुके हैं। उनकी आगामी के लिए ट्रंप स्वयं पहुंचे। वाशिंगटन पहुंचने की तैयारियों के बीच ही चीनी राष्ट्रपति ने अपने कूटनीतिक रसूख और तैवरों का भरपूर प्रदर्शन किया। अतीत में जब भी चीनी और अमेरिकी शीर्ष नेताओं के बीच शिखर वार्ताएं होती रहीं तो उसमें कूटनीतिक बड़त हमेशा अमेरिकी राष्ट्रपति के पास हुआ करती थी, मगर इस बार स्थिति अलग है। यह संभवतः पहला ऐसा चीन-अमेरिका शिखर सम्मेलन होगा, जहां वार्ता की कमान चीनी राष्ट्रपति के पास नजर आए।

द्विपक्षीय रिश्तों में यह चौंका देने वाला पहलू ट्रंप के दौरे में अमेरिकी कदम के कुंद होने का भी परिचायक होगा।

कुछ जाकार मानते हैं कि चिनफिंग के प्रति टुंग काफ़ी हद तक नरम रख अपनाते हैं। जबकि चिनफिंग अमेरिकी तरह से अमेरिका को ठेगा दिखाते हुए अचानक ताकत को ही जाहिर करते हैं। टुंग के अनुसार मई में चिनफिंग के साथ पिछली बैकवॉ में उन्होंने आग्रह चिनफिंग के साथ प्रख्यता मौड़िया टायकुम और लोकता के के प्रखर समर्थक ज़िमी लोई को रिहा कर दिया जाए चिनफिंग ने इसे ठुकरा दिया। इसके उलट, हांगकांगवास की एक अलगात ने इसी माह तीन अरब असंजुषु कार्यकांताओं को सख़्त कारावास की सजा सुनाई हांगकांग के बेहद चर्चित लोकता समर्थक



खबर-खास

गरीबी को पछाड़ एशियन गेम्स की स्टार बनीं कोरबा की बेटी, जापान में संजू देवी के तूफानी प्रदर्शन से बांग्लादेश परत

कोरबा। जापान के टोकाई में भारत का परचम लहरा रहा है और इस स्वर्णिम गाथा की नायिका बनी हैं कोरबा के पाली केराकछार की संजू देवी। एशियन गेम्स 2026 की कबड्डी स्पर्धा में जब संजू देवी ने मैट पर उतरकर बांग्लादेश के खिलाफतूफानी रेड लगाई, तो विरोधी टीम का डिफेंस तोश के पत्तों की तरह ढह गया। 42-21 की इस एकतरफा जीत में संजू की आक्रामक रणनीति और सटीक टैकल ने देश को जीत की राह दिखाई।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकती इस सफलता के पीछे संघर्ष, आंसुओं और कड़े इम्तिहानों की एक लंबी दास्तान छिपी है। विकासखंड पाली अंतर्गत वनांचल गांव केराकछार में पली-बढ़ी 23 वर्षीया संजू देवी का बचपन बेहद अभावों में बीता। एक बेहद गरीब परिवार में जन्मी संजू के पिता रामजी यादव रोजी मजदूरी का कार्य करते हैं और मां अमरिका बाई गृहिणी हैं। घर में दो वक्त की रोटी और खेल का सामान जुटाना भी किसी चुनौती से कम नहीं था।

गांव के कच्चे रास्तों पर नंगे पैर दौड़ते हुए संजू ने पहली बार कबड्डी का हाथ पकड़ा था। न सही जूते थे, न स्पोर्ट्स किट और न ही डाइट का कोई ठिकाना, लेकिन सीने में कुछ कर गुजरने की आग थी और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने तीन काठिन राष्ट्रीय कैपों को पार किया और भारतीय महिला कबड्डी टीम में जगह बनाई। इससे पहले कबड्डी विश्वकप में भारत को विजिता बनाने और 16 महत्वपूर्ण अंक दिलाने वाली संजू को मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर के खिताब से भी नवाजा जा चुका है।

आज जब संजू देवी जापान के टोकाई सिटिजन जिमनेजियम में भारतीय तिरंगे की शान बढ़ा रही हैं, तो केराकछार के उस छोटे से कच्चे घर में उनके माता-पिता की आंखों से खुशी के आंसू थम नहीं रहे हैं। जिस बेटी के पास कभी खुद के जूते नहीं हुआ करते थे, आज वह पूरी दुनिया में छत्तीसगढ़ का मान बढ़ा रही है। संजू देवी की यह सफलता केवल एक खिलाड़ी की कहानी नहीं है, बल्कि यह हर उस ग्रामीण बेटी का हौसला है जो सीमित साधनों में भी आसमान छूने का दम रखती है।

सेवा संकल्प अभियान: मड़वा विद्युत संयंत्र के अस्पताल में 23 लोगों ने किया रक्तदान

कोरबा-जांजगीर। सेवा, सहयोग और जनभागीदारी की भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में सेवा संकल्प अभियान जारी है। इस अभियान के अंतर्गत अरुल विहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह संयंत्र (एबीवीटीपीएस) मड़वा में बुधवार को जिला चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में विभागीय अस्पताल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्युत संयंत्र के मुख्य अभियंता श्री रजनीश जांगड़े ने कहा कि सेवा संकल्प केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प है। रक्तदान जैसे मानवीय कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता की जा सकती है। इस अवसर पर रक्तदाताओं को मुख्य अभियंता के हाथों प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. विवेकेंद्र सिंह ने बताया कि मानवता की सेवा को सर्वोपरि रखते हुए कुल 23 समर्पित रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर “रक्तदान-महादान” के संकल्प को जीवंत किया है। इसमें अधिकारी, कर्मचारी एवं चिकित्सकों ने भी रक्तदान कर अपना अमूल्य योगदान दिया।

शिविर का सबसे प्रेरक और सशक्त पहलू नारी शक्ति द्वारा अग्रणी भागीदारी का निभाना है। यहां मातृशक्ति ने बढ़-चढ़कर रक्तदान करते हुए न केवल समाज को नई दिशा दी, बल्कि इस पुनीत कार्य को गरिमा को नई उंचाइयों पर पहुंचाया।रक्तदान केवल जीवन रक्षा का उपक्रम नहीं, बल्कि इंसानियत के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विद्युत संयंत्र के अतिरिक्त मुख्य आलोक लकरा, आरएल. फ्रव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने रक्तदान के इस महायज्ञ को सफल बनाने वाले सभी रक्तदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। शिविर में चिकित्साधिकारी डॉ. कल्पदीप देव सहित अस्पताल स्टाफ ने सक्रिय योगदान दिया।

पुलिस को चकमा देकर फरार हुआ छेड़छाड़ का आरोपी: बाथरूम का बहाना बनाकर भागा, नाकाबंदी कर तलाश जारी

कोरबा। कोरबा जिले के पसान थाना क्षेत्र में पुलिस हिरासत से एक आरोपी के फरार होने का मामला सामने आया है। युवती से छेड़छाड़ के मामले में गिरफ्तार किया गया आरोपी बाथरूम जाने का बहाना बनाकर पुलिस को चकमा देकर भाग गया।

फरार आरोपी की पहचान खीरचंद के रूप में हुई है। उसके खिलाफ युवती से छेड़छाड़ के मामले में धारा 354 के तहत केस दर्ज था। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। कोर्ट ने उसके खिलाफस्थायी वारंट भी जारी किया था।

कटघोरा एसडीओपी विजय राजपूत ने बताया कि खीरचंद धारा 354 के पुराने मामले का स्थायी वारंट था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। इसी दौरान उसके बारे में सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पृच्छाछ कर रही थी।

बरसात में नहीं थमेगी रफ्तार, दो उच्च स्तरीय पुलों से बदलेगी इलाके की कनेक्टिविटी

स्याही-सनावल और वाड़फ्नगर-मेंढ़ारी मार्ग पर पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण शुरू, विधायक शकुंतला पोतें ने किया भूमिपूजन

बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर जिले में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। लोक निर्माण विभाग (सेतु संभाग) अंबिकापुर के अंतर्गत दो महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय पुलों एवं पहुंच मार्गों के निर्माण कार्य का विधिवत

भूमिपूजन किया गया। ग्राम पंचायत स्याही, मंडल वाड़फ्नगर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोतें ने विकास कार्यों की आधारशिला रखी।

इन दोनों पुलों के निर्माण से बारिश के मौसम में प्रभावित होने वाले आवागमन को बेहतर बनाने की उम्मीद है। खासकर नदी-नालों और जलभराव के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आने-जाने में होने वाली परेशानियों को कम करने में ये निर्माण महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

इन दो स्थानों पर होगा निर्माण
लोक निर्माण विभाग के सेतु



संभाग अंबिकापुर के अंतर्गत पहला कार्य स्याही-सनावल मार्ग के किमी 1/6 पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का है। वहीं दूसरा महत्वपूर्ण कार्य वाड़फ्नगर से मेंढ़ारी मार्ग पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का किया जाएगा।

आवागमन के साथ शिक्षा-स्वास्थ्य और कारोबार को भी मिलेगा लाभ

पुलों के निर्माण से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होने की उम्मीद है। बरसात के दौरान रास्तों के प्रभावित होने से ग्रामीणों को होने वाली परेशानी कम होगी।

विद्यार्थियों के लिए स्कूल-कॉलेज तक पहुंच, मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक आवागमन और ग्रामीणों के लिए बाजार एवं व्यापारिक गतिविधियों तक पहुंच पहले की तुलना में आसान हो सकेगी।

स्थानीय स्तर पर इन दोनों पुलों को क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही आवागमन संबंधी जरूरत से जोड़कर देखा जा रहा है। निर्माण पूरा होने के बाद स्याही-सनावल और वाड़फ्नगर-मेंढ़ारी मार्ग पर आवागमन को नई सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र की कनेक्टिविटी को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

वर्षा में बह गया गेवरा खदान का रेस्ट शेल्टर: घटना के समय अंदर नहीं थे कर्मचारी, टल गया बड़ा हादसा

कोरबा। एसईसीएल की गेवरा कोयला खदान में सोमवार को तेज बारिश के दौरान माइनिंग स्टाफ के लिए बनाया गया रेस्ट शेल्टर पानी के तेज बहाव में बहकर खदान की गहरी खाई में जा गिरा। घटना गणेश सावेल क्षेत्र की है। राहत की बात यह रही कि जिस समय पानी का बहाव बढ़ा, उस दौरान शेल्टर के भीतर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। इससे बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि खदान क्षेत्र में करीब एक घंटे तक तेज वर्षा हुई। इसके बाद ऊपरी हिस्से से निचले क्षेत्र की ओर पानी का बहाव बढ़ गया। पानी की चपेट में आने से टिन शेड से बना रेस्ट शेल्टर अपनी जगह से उखड़ गया और तेज बहाव के साथ खदान की गहराई में जा गिरा। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें शेल्टर को पानी के बहाव में बहते हुए देखा जा सकता है।

खदान में तैनात शिफ्ट इंचार्ज, माइनिंग सरदार और ओवरमैन धूप व वर्षा से बचने के लिए इस शेल्टर का उपयोग करते थे। ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों के आराम करने के लिए यह स्थान बनाया गया था। वर्षा के दौरान जिस तरह से पानी का बहाव बढ़ा और पूरा ढांचा बह गया, उससे शेल्टर की स्थिति और वहां पानी निकासी

की व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि शेल्टर के आसपास वर्षा के पानी की निकासी के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। इसी वजह से तेज वर्षा के बाद पानी एकत्रित होकर बहाव में बदल गया और इसकी चपेट में शेल्टर आ गया। हालांकि, घटना के समय कर्मचारियों के वहां मौजूद नहीं होने से जनहानि नहीं हुई।

वर्षा के दौरान खदान क्षेत्र में जलभराव और तेज बहाव का खतरा पहले भी जानलेवा साबित हो चुका है। जुलाई 2024 में कुसमुंडा खदान के गोदवारी फंस क्षेत्र में तेज वर्षा के बाद पानी और मलबे का अचानक तेज बहाव आया था। उस समय रूढ़ अधिकारी-कर्मचारी इसकी चपेट में आए थे। पांच कर्मचारी बच गए थे, जबकि अंडर मैनेजर एवं शिफ्ट इंचार्ज जितेंद्र कुमार नागरकर बहाव में फंस गए थे। अगले दिन बचाव दल ने उनका शव मलबे से बरामद किया था।

गेवरा में रेस्ट शेल्टर बहने की घटना ने एक बार फिर वर्षा के दौरान खदान में कर्मचारियों की सुरक्षा और अस्थायी ढांचों की स्थिति पर सवाल खड़े किए हैं। विशेष रूप से ऐसे स्थानों पर जहां वर्षा का पानी ऊपरी हिस्से से नीचे की ओर आता है।

पीएम किसान सम्मान निधि से ज्ञान दास की खेती को मिला आर्थिक संबल

समय पर खाद-बीज की व्यवस्था से खेती में आया सुधार, परिवार की जरूरतें भी हुई आसान

कोरबा। किसान के लिए खेती केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि परिवार की उम्मीदों और भविष्य का आधार भी होती है। फसल की बुआई से लेकर उसकी देखभाल तक हर चरण में समय पर आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। ऐसे में शासन की किसान हितैषी योजनाएं किसानों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रही हैं। कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड निवासी किसान श्री ज्ञान दास, पिता श्री सुनादास के जीवन में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना इसी आर्थिक संबल का माध्यम बनी है।

योजना का लाभ मिलने से पहले ज्ञान दास को खेती के दौरान आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। फसल की बुआई के समय खाद और बीज की व्यवस्था करने के साथ-साथ निंदाई-गुड़ाई जैसे कृषि कार्यों के लिए समय पर पर्याप्त राशि जुटाना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहता था। आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण कई बार खेती के आवश्यक कार्य प्रभावित होते थे।

इसी बीच कृषि विभाग के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की जानकारी मिली। योजना की पात्रता के अनुसार उन्होंने आवेदन किया और योजना का लाभ प्राप्त करना शुरू किया। 10 अगस्त 2020 से 20 जून 2026 तक की अवधि में उन्हें कुल 44 हजार रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई।

ज्ञान दास ने प्राप्त राशि का उपयोग मुख्य रूप से खेती की जरूरतों को पूरा करने में किया। समय पर खाद और बीज की व्यवस्था होने तथा निंदाई-गुड़ाई जैसे आवश्यक कृषि कार्य कराने से उन्हें अपनी फसल की बेहतर देखभाल करने में मदद मिली। इसका सकारात्मक असर उनकी खेती की पैदावार और गुणवत्ता पर भी देखने को मिला। योजना से मिली आर्थिक सहायता ने खेती के साथ-साथ परिवार की अन्य आवश्यकताओं, विशेषकर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के खर्च को पूरा करने में भी उनका सहयोग किया।

ज्ञान दास बताते हैं कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना उनके जैसे किसानों के लिए समय पर मिलने वाला महत्वपूर्ण आर्थिक सहारा है। वे कहते हैं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से प्राप्त राशि से मुझे खेती के लिए समय पर खाद-बीज खरीदने में सहूलियत हुई। इससे मेरी खेती में सुधार आया और बच्चों की शिक्षा का खर्च पूरा करने में भी मदद मिली।

आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से मिलने वाली आर्थिक सहायता ज्ञान दास के लिए खेती को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने का माध्यम बनी है। शासन की किसान हितैषी योजनाओं से मिले सहयोग ने उनके खेती-किसानी के कार्य को मजबूती दी है और परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में भी सहारा प्रदान किया है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से ज्ञान दास जैसे किसानों को खेती के महत्वपूर्ण समय में आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे वे कृषि कार्यों को समय पर पूरा कर अपनी आजीविका को अधिक मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

पलारी क्षेत्र के ग्राम गिरा आंगनबाड़ी में ‘आँगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम, महिलाओं ने प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा..

चेतन पुरेना, पलारी। परियोजना अधिकारी श्री नीरज सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में परियोजना पलारी सेक्टर सुपरवाइजर स्वेता महिलाएं के नेतृत्व में पलारी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत गिरा के आंगनबाड़ी केंद्र में सेवा संकल्प अभियान के तहत ‘आँगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र में महिलाओं और ग्रामीणों की सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता, कुर्सी दौड़ एवं रंगोली प्रतियोगिता

आयोजित की गई, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं विभागीय योजनाओं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) एवं मुख्यमंत्री मातृत्व वंदना योजना (MVY) के हितग्राहियों ने योजना से मिले लाभ और अपने अनुभव साझा किए।

सुपोषित बचपन अभियान के अंतर्गत कुपोषण से सुपोषण की ओर आने वाले बच्चों की माताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका का भी सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सेक्टर



सुपरवाइजर द्वारा अपने घर के पुराने उपयोगी खिलौने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के लिए दान किए गए। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से

भी बच्चों के विकास में सहयोग करने तथा उपयोगी खिलौने दान करने का आग्रह किया गया।

कार्यक्रम में किसान मोर्चा जिला महामंत्री महेंद्र साहू, श्री

प्रेमलाल फेकर, बृथ अध्यक्ष श्री शिवकुमार साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता विशाल चंद्राकर, पूर्व जनपद सभापति श्रीमती हेमा साहू, जिला सदस्य साहू समाज



श्रीमती शारदा साहू एवं पूर्व सरपंच श्रीमती खिलेश्वरी लहरी सहित जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं आंगनबाड़ी विभाग से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत

में ‘हर घर मुनगा’ अभियान के तहत मुनगा पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं पोषण संवर्धन का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों

ने बच्चों को कुपोषण से मुक्त कर सुपोषित बनाने और आंगनबाड़ी केंद्रों को जनभागीदारी से और बेहतर बनाने का संकल्प लिया।



अब एक्टर का कहना है कि वो रजनीकांत की फिल्म से कॉम्पटीशन नहीं करना चाहते हैं। 'एसेस पर एक पोस्टर शेयर करते हुए धनुष ने लिखा, 'मेरे समय में, किसी फिल्म की रिलीज की तारीख बदलना अपने आप में एक चुनौती बना गया है।' 'दमा' सुपरस्टार रजनीकांत से जिनहें हम सभी सारो से पसंद करते और मानते आते हैं। उनकी फिल्म 15 अक्टूबर को रिलीज हो रही है, यानी हमारे फिल्म से ठीक एक दिन पहले। उनके प्रति बहुत सम्मान रखते हुए, हमने अपनी फिल्में 'ओम' की रिलीज को आगे बढ़ाने का फैसला किया है।' धनुष ने यह भी साफ किया कि 'ओम: चैप्टर 1' इस साल दिवाली के दौरान रिलीज नहीं होगी। इस त्योहार के लिए पुर्या की फिल्म की घोषणा पहले ही हो चुकी है, और एक्टर ने कहा कि उनकी टीम पहले से तय तारीख का सम्मान करती है।



शाहरुख खान के बाद दूसरे नंबर पर अमिताभ बच्चन

हुरल इंडिया रिज लिस्ट 2026 में अमिताभ बच्चन मोरंजेन जगत के सबसे अधिक भारतीय सितारों में दूसरे स्थान पर हैं। इस सूची में शाहरुख खान करीब 10,000 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सबसे ऊपर हैं। वहीं अमिताभ बच्चन की निटवर्थ 4,000 करोड़ रुपये आंकी गई है। खास बात यह है कि बिग बी की संपत्ति में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में सामने आई है, जब वह फिल्मों के साथ-साथ निवेश और अन्य माध्यमों से भी लगातार कमाई कर रहे हैं।

सिर्फ फिल्मों से नहीं होती अमिताभ की कमाई

अमिताभ बच्चन की कमाई का दायरा केवल फिल्मों तक सीमित नहीं है। दार्जलि लैंड किरिय के दौरान उन्होंने एन्ट्रेंज के अलावा टेलीविजन, विज्ञापन और अलग-अलग निवेशों के जरिए भी अपनी संपत्ति बनाई है। हुरल की रिपोर्ट में उनकी संपत्ति के आंकड़े में इन अलग-अलग आर्थिक गतिविधियों और निवेशों की भूमिका अहम मानी जा सकती है। वहीं वजह यह है कि उनकी कमाई को केवल फिल्म फीस के आधार पर नहीं देखा जा सकता।

जिसने सिनमाघरों में ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी। अब मोहित सूरि एक नई लान्चिंग के साथ अहान पांडे और अनीत पट्टा पर दांव खेल रहे हैं। हाल ही में फिल्म पर बड़ा अपडेट आया। जिससे पता लगा कि मोहित सूरि की अगली फिल्म 'सौरा' की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में शुरू होगी दसअसल यह प्रोजेक्ट मोहित सूरि और 'सैयारा' के एक्टर्स के बीच दूसरा कोलाबोरेशन होगा। खास बात है कि यशराज फिल्म्स वाले इस इफ पिक्चर को भी प्रोड्यूस कर रहे हैं। हाला ही डायेटीरी डेबिया पर एक रिपोट छपी। जिसमें कहा गया कि मोहित सूरि के दूसरे हफ्ते से अहान पांडे और अनीत पट्टा फिर बड़ी तैयारी में जुट जाएंगे। कुछ वक़्त पहले ही बताया गया था कि फिल्म के लिए 'सतरंगा' नाम पर चर्चा की जा रही है। उस समय यह नाम पक्का नहीं हुआ था, हालांकि इसे टी-सीरीज के साथ रीस्ट्रिक्ट कर दिया गया था अनीत पांडे और अहान पांडे की अपकमिंग फिल्म का टाइटल अब तक कंफर्म नहीं किया गया है। हो सकता है कि जिस नाम पर पहले चर्चा चल रही थी, यानी 'सतरंगा' के साथ ही

है, "रुतबा, वो रोव, वो जुनुन। संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर" 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्मों के दर्द पर आपसे मुलाकात होगी।" रणवीर कपूर इंस्टेस लुक में नजर आए रहे हैं और उनका से अंदरूनी कैस को काफी पसंद आ रहा है। पोस्टर सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोग उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। कुछ उनके लुक को किलर बता रहे हैं तो किसी का कहना है कि रणवीर कपूर पहली बार इस अंदरूनी में नजर आ रहे हैं। कुछ ने ये भी लिखा कि वो आते आगे आर्याणा भट्ट और विक्की कौशल के लुक का इंतजार कर रहे हैं।

बालीबुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर फिल्म इंडस्ट्री में चार दशक से ज्यादा समय बिता चुके हैं। अपने लंबे करियर में उन्होंने हिंदी सिनेमा के लगभग हर बड़े कलाकार के साथ काम किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अनुपम खेर ने अभिनेता गोविंदा और अश्वय खन्ना को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने जहां गोविंदा की निजी जिंदगी को लेकर चर्चा रही तब चर्चाओं पर अपनी राय रखी, वहीं अश्वय खन्ना के मौडिया से दूरी बनाए रखने के तरीके को उनकी मार्केटिंग स्ट्रेटेजी का हिस्सा बताया। अनुपम खेर ने गोविंदा की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनके बैकग्राउंड पसंदीदा कलाकारों में से एक हैं। अनुपम ने बताया कि उन्होंने गोविंदा के साथ करीब 10-12 फिल्मों में काम किया है और अभिनेता की एक्टिंग, डांस और खासतौर पर इमोवाइजेशन की क्षमता की बराबरी करना आसान नहीं है। अनुपम के मुताबिक गोविंदा उन कलाकारों में हैं जिनके पास स्क्रीन पर कुछ भी करने की खास क्षमता है। हालांकि, उनकी तारीफ करने के साथ ही अनुपम ने यह भी कहा कि किसी कलाकार की निजी जिंदगी और आदतों को उसके पुरे व्यक्तित्व और करियर पर हावी नहीं होने देना चाहिए। उनके मुताबिक एक कलाकार के लिए उसका काम सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक होता है।



भारी बारिश के बीच रायपुर में ‘नशामुक्त भारत’ पदयात्रा का आगाज: 28वें वर्ष में प्रवेश कर चुके अभियान की विधायक पुरन्दर मिश्रा ने की शुरुआत

साधु-संतों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं ने लिया हिस्सा, तेलीबांधा से भगत सिंह चौक तक गुंजा नशामुक्त समाज का संकल्प

रायपुर (जनता के गोठ)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘नशामुक्त भारत’ के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से रायपुर में मूसलाधार बारिश के बीच ‘नशामुक्त भारत पदयात्रा सप्ताह’ का भव्य शुभारंभ हुआ। रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस पदयात्रा का आगाज तेलीबांधा स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। भारी बारिश के बावजूद सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, साधु-संतों, समाज प्रमुखों और स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने पदयात्रा में शामिल होकर जन जागरूकता

का संदेश दिया।

तेलीबांधा से शुरू होकर यह पदयात्रा मुख्यमंत्री निवास के सामने भगत सिंह चौक तक पहुंची। रास्ते भर युवाओं और आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प कराया गया।

27 वर्षों का सफ़र, 28वें वर्ष में भी अडिग संकल्प

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि नशामुक्त छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को लेकर वे पिछले 27 वर्षों से लगातार इस पदयात्रा का आयोजन करते आ रहे हैं, जो अब अपने 28वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने जोर देकर कहा, ‘‘नशे के खिलाफ जनजागरण केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था का काम नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवा हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत हैं



और उन्हें नशे से दूर रखकर ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। मौसम की विपरीत परिस्थितियां भी हमारे इस संकल्प को रोक नहीं सकतीं।’’

साधु-संतों का मिला आशीर्वाद आयोजन में साधु-संतों की गरिमामयी उपस्थिति ने पदयात्रा को विशेष आध्यात्मिक और सामाजिक बल प्रदान



किया। कार्यक्रम में हरियाणा से बाबा कालिदास, शदाणी दरबार के पूज्य संत युधिष्ठिर महाराज, ओडिशा के नरसिंह बाबा, पंडित सदन तिवारी तथा भैरवी

धाम राजनांदगांव से कोमना माई सिमरन देवी सहित अनेक संत-महात्मा मौजूद रहे। संतों ने युवाओं को संस्कार, सदाचार और सकारात्मक मार्ग पर चलने की

प्रेरणा दी।

विभिन्न जनप्रतिनिधि और सामाजिक प्रमुख रहे मौजूद

पदयात्रा में रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मुण्ठ, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, रायपुर महापौर मीनल चौबे, नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह छबड़ा, पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, सभापति सूर्यकांत राठौर सहित विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी, पार्षदगण और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

पदयात्रा के समापन पर उपस्थित सभी लोगों ने अपने परिवार, समाज और आसपास के वातावरण को नशामुक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की सामूहिक शपथ ली।

महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ ने कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर परवानी को दी जन्मदिन की बधाई



रायपुर जनता के गोठ। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेड्स कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य कैट दिल्ली प्रदेश प्रभारी व्यापारी हितों के समस्याओं के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले श्री

अमर परवानी जी के जन्मदिवस के अवसर पर महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ रायपुर के सदस्यों ने अध्यक्ष विमल बाफ्ना के नेतृत्व में जन्मदिन की शुभकामनाएं बधाई उपरोक्त अवसर पर संरक्षक धीरज तापूकार

महासचिव राम चौरसिया उपाध्यक्ष राज अग्रवाल प्रशांत भागवत सचिव वैभव सालुंखे उपस्थित थे। व्यापारियों ने उनके दीर्घायु होने की कामना कर छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के लिए अच्छे कार्यों की सराहना की।

‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत आस्था निकुंज वृद्धाश्रम पहुंचे मंत्री राजेश अग्रवाल: 25 वरिष्ठजनों को बांटे वस्त्र और फल, लिया आशीर्वाद



‘वरिष्ठजन हमारे मार्गदर्शक और समाज का आधारस्तंभ’: मंत्री ने की आत्मीय चर्चा, कलेक्टर और महापौर भी रहे मौजूद

अंबिकापुर/रायपुर जनता के गोठ। ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत सेवा, संवेदना और जनभागीदारी की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंबिकापुर के अजीरमा स्थित आस्था निकुंज वृद्धाश्रम में वरिष्ठजनों के सम्मान का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल तथा नगरपालिक निगम की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने वृद्धाश्रम में निवासरत 25 वरिष्ठजनों को वस्त्र एवं फल वितरित किए और उनसे आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना।

बुजुर्गों का अनुभव समाज की अमूल्य धरोहर कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने वरिष्ठजनों का हाल-चाल जाना और उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा, ‘‘वरिष्ठजन हमारे मार्गदर्शक और पथप्रदर्शक हैं। उनके जीवन का अनुभव, संघर्ष और जीवन मूल्य समाज तथा नई पीढ़ी के लिए अमूल्य धरोहर हैं। बुजुर्गों का सम्मान, उनकी सेवा और उनके साथ समय बिताना केवल एक सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि

हमारी मानवीय और नैतिक जिम्मेदारी भी है।’’

जनभागीदारी से ही सार्थक होगी सेवा की भावना

मंत्री श्री अग्रवाल ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण से जुड़ी विविध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने युवाओं और सामाजिक संगठनों का आह्वान किया कि वे भी अपनी क्षमता अनुसार वरिष्ठजनों, वृद्धाश्रम में वरिष्ठजनों के सम्मान का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाए, ताकि सामूहिक प्रयासों से इसे एक व्यापक जनआंदोलन बनाया जा सके।

1993 से आश्रय दे रहा है आस्था निकुंज

अजीरमा स्थित आस्था निकुंज वृद्धाश्रम का संचालन समाज कल्याण विभाग के अनुदान से ‘रॉबर्ट कानन बाला स्मृति सेवा संस्थान’ द्वारा वर्ष 1993 से लगातार किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान वस्त्र और फल पाकर वरिष्ठजनों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई और माहौल भावनात्मक व आत्मीय बन गया। समारोह में कलेक्टर श्री अजीत वसंत, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रोमा श्रीवास्तव, उपसंचालक (समाज कल्याण), आश्रम के प्रबंधक, जिले के अन्य आश्रमिक अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बस्तर में भारी बारिश और जलभराव पर मंत्री केदार कश्यप सख्त: कलेक्टरों को दिए राहत कार्य तेज करने के निर्देश, अलर्ट मोड पर प्रशासन

‘जनहानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता’, निचले इलाकों और नदी-नालों पर कड़ी निगरानी रखने के आदेश

जनता के गोठ

जगदलपुर/रायपुर। बस्तर संभाग में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और जलभराव की स्थिति को देखते हुए कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों से दूरभाष पर चर्चा की। मंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेते हुए मैदानी अमले को अलर्ट मोड पर रहने और राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाने के कड़े निर्देश दिए हैं।

मंत्री कश्यप ने कहा कि इस आपदा की स्थिति में आम नागरिकों की सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यदि मुख्य निर्देशित किया कि प्रभावित क्षेत्रों से

लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाएं और उनके लिए भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की त्वरित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

नदी-नालों और पुल-पुलियों की कड़ी निगरानी के निर्देश- निचले और संवेदनशील इलाकों की स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश देते हुए मंत्री ने कहा कि उफन मारते नदी-नालों और जलमग्न पुल-पुलियों पर आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाए। जोखिम वाले स्थानों पर पुलिस और प्रशासन की टीमें तैनात कर तुरंत बैरिकेडिंग की जाए, ताकि कोई भी नागरिक खतरे में न पड़े।

वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचेंगी मदद- मंत्री कश्यप ने ग्रामीण और दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों तक राहत सामग्री समय पर पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि मुख्य संपर्क मार्ग बाधित होते हैं, तो



वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें और राहत दलों को आवश्यक संसाधनों के साथ तैयार रखें, जिससे किसी भी आपात परिस्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

राहत शिविरों में मिलेंगी मूलभूत सुविधाएं- विस्थापित लोगों के लिए बनाए जा रहे राहत शिविरों को लेकर उन्होंने कहा कि वहां बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की जरूरतों का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही, जलभराव के बाद पनपने वाली बीमारियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य अमले को अलर्ट रखा जाए और पर्याप्त

दवाओं का भंडारण सुनिश्चित किया जाए।

जनहानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता- कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा, भारी बारिश की इस स्थिति में जनहानि को रोकना और प्रत्येक प्रभावित परिवार तक समय पर सहायता पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करे, संसाधनों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील- मंत्री कश्यप ने बस्तर संभाग के नागरिकों से भी विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे तेज बहाव वाले नदी-नालों या जलभराव वाले रास्तों को पार करने का जोखिम न उठाएं और स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ: एक साल का सामाजिक सफर, 27 सितंबर को वार्षिक आमसभा में होगा मंथन

आय-व्यय, नियमावली संशोधन, परिवार संस्कार अभियान के साथ धर्मांतरण व लव जिहाद के मुद्दे पर भी होगी चर्चा

रायपुर जनता के गोठ।

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के वर्तमान कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर 27 सितंबर को रायपुर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, जी.ई. रोड, साईंस कॉलेज परिसर में प्रथम वार्षिक सम्मेलन एवं आमसभा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से होगा, जिसमें प्रदेशभर के पदाधिकारी, आजीवन सदस्य एवं सामाजिक प्रतिनिधि शामिल होंगे।

आमसभा की तैयारियों और एजेंडे की जानकारी देते हुए टिकरापाड़ा स्थित भामाशाह छात्रावास



में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र साहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को बताया कि सम्मेलन में पिछले एक वर्ष के सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी कार्ययोजना पर मंथन किया जाएगा। आमसभा में संगठन का आय-

व्यय विवरण एवं वित्तीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के साथ एकीकृत नियमावली में संशोधन पर चर्चा होगी। वहीं परिवार संस्कार कार्यशालाओं को प्रदेश के गांव-गांव और परिवार-परिवार तक पहुंचाने की रणनीति पर भी विचार किया

जाएगा।

डॉ. साहू के अनुसार, परिवार में संवाद, बच्चों में संस्कार, बुजुर्गों के सम्मान, युवाओं के मार्गदर्शन और सामाजिक एकता को मजबूत करना संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल है। धर्मांतरण और लव

जिहाद से जुड़े विषयों पर भी आमसभा में मंथन एवं विचार-विमर्श किया जाएगा। इन विषयों को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाने, परिवारों एवं युवाओं से संवाद तथा सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने के उपायों

जिहाद से जुड़े विषयों पर भी आमसभा में मंथन एवं विचार-विमर्श किया जाएगा। इन विषयों को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाने, परिवारों एवं युवाओं से संवाद तथा सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने के उपायों

जिहाद से जुड़े विषयों पर भी आमसभा में मंथन एवं विचार-विमर्श किया जाएगा। इन विषयों को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाने, परिवारों एवं युवाओं से संवाद तथा सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने के उपायों

पर चर्चा की जाएगी। आमसभा में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू, विधायक मोतीलाल साहू सहित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं प्रतिनिधियों की उपस्थिति प्रस्तावित है।

मीडिया से चर्चा के दौरान श्रीमती साधना साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष, उधो राम साहू प्रदेश महामंत्री, गोपाल साहू प्रदेश कोषाध्यक्ष, शशिकांत साहू प्रदेश संयोजक युवा प्रकोष्ठ, रोबिन साहू व हर्ष साहू प्रदेश महामंत्री युवा प्रकोष्ठ, दिलीप साहू प्रदेश संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ, अशोक कुमार साहू प्रदेश महामंत्री मीडिया प्रकोष्ठ, मनीष साहू रायपुर संभाग अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।